बाल भारती पब्लिक स्कूल
गंगाराम अस्पताल मार्ग
सत्र - 2013-14
कक्षा - आठ
विषय - हिंदी
नियत कार्य संख्या - 4

SA-1

पाठ्य पुस्तक : शांति दूत श्रीकृष्ण
व्याकरण : स्वर सन्धि

प्र०1. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए।
(क) महाराज धृतराष्ट्र किस-किसके साथ श्रीकृष्ण का स्वागत करने गए?
(ख) कौरवों के द्वारा बहुत आग्रह करने पर भी श्रीकृष्ण किसके यहाँ ठहरे?
(ग) दुर्योधन ने अपने साथियों की सलाह से क्या निश्चय किया?
(घ) सभा में कौरवों की ओर से कौन-कौन से योद्धा मौजूद थे?
(ङ) श्रीकृष्ण ने सभी के लिए लज्जा की कौन सी बात बताई?
(च) पाण्डवों ने किन्हें मुक्त कराया?
(छ) श्रीकृष्ण को बाँधने के लिए कौन आगे बढ़ा?
(ज) कौरव भयभीत क्यों हो उठे?
(झ) पाण्डु को राज्य भार क्यों सौंपा गया?
(ञ) युधिष्ठिर आधे राज्य के स्थान पर कितने गाँव लेने के लिए तैयार हो गए?
(ट) क्या कहते हुए श्रीकृष्ण तेजी से सभा के बाहर चले आए?

प्र०2. किसने किससे कहा?
(क) "कौरव और पाण्डव दोनों एक ही कुल में पैदा हुए हैं। दोनों ही हमारे मित्र हैं।"
(ख) "वे दूत का कार्य नहीं कर रहे हैं, बल्कि पाण्डवों का पक्ष ले रहे हैं।"
(ग) धृतराष्ट्र का ज्येष्ठ पुत्र मैं तो अंधा नहीं हूँ। फिर राज्य युधिष्ठिर का कैसे हुआ?"

प्र०3. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द छाँटकर करें।
(क) हस्तिनापुर में श्रीकृष्ण के पहुँचते ही सर्वत्र ——— की

लहर दौड़ गई। (आक्रोश / प्रसन्नता)
(ख) श्रीकृष्ण पाण्डवों की ओर से ——— का प्रस्ताव लेकर आए हैं। (युद्ध, संधि)
(ग) श्रीकृष्ण के इस वक्तव्य का सभा में सभी ने ——— किया। (स्वागत / तिरस्कार)
(घ) कर्ण, दुःशासन, शकुनि आदि ने दुर्योधन के कथन का ——— किया। (विरोध / समर्थन)

प्र०4. उचित वर्तनी पर (✓) का चिह्न लगाइए।
(क) शक्ती, शक्ति, शकती
(ख) कष्ट, कष्ट, कष्ट
(ग) दृश्य, द्रश्य, दृशाय

प्र०5. शब्द के उचित अर्थ पर (✓) का चिह्न लगाइए।
(क) वक्तव्य – (भाषण / वार्तालाप)
(ख) संधि – (समझौता / युद्ध)
(ग) मदांध – (घमंड में अंधा / लोभ में अंधा
(घ) आक्रोश – (क्रोध / दया)

प्र०5. ठीक सन्धि पर (✓) का चिह्न लगाइए।
विद्या + अर्थी / विद्या + आर्थी
कवी + इन्द्र / कवि + इन्द्र
सू + उक्ति / सु + उक्ति
इति + आदि / इती + आदि
उपरि + उक्त / उपरी + उक्त
सू + अल्प / सु + अल्प
महा + ऋषि (महर्षि / महार्षि)
वन + ओषधि (वनौषधि / वनोषधि)
महा + ईश्वर (महेश्वर / मह्ैश्वर
वार्षिक + उत्सव (वार्षिकोत्सव / वार्षीकोत्सव
सदा + एव (सदेव / सदैव)